the Accounts and the comments of the Comptroller and Auditor General of India thereon.

(b) Review by Government on the working of the Corporation.

[Placed in Library. *See* No. LT—6355/83 for (ii) (a) and (b)]

III. (a) Sixty-first Annual Ke port and Accounts of the Singareni Collieries Company Limited, (Kottagudam, Khammam District (Andhra Pradesh), for the year 1981-82, together with the Auditors' Report on the Accounts and the Comments of the Comptroller and Auditor General of India thereon.

CbTTteview by Government on the working of the Company.

[Placed in Library. *See* No. LT—6274/83 for'ill (a) and (hi]

REPORTS AND MINUTES OF THE COMMITTEE ON PUBLIC UNDER-TAKINGS

SHRI MAHENDRA MOHAN MISHRA (Bihar): Sir, I beg to lay on the Table a copy each (in English and Hindi) of the following Reports and Minutes of the Committee on Public Undertakings: —

(i) Seventieth Report on Action Taken by Government on the recommendations contained in the Forty-ninth Report of the Committee on Public Undertakings—Management and Control Systems.

(ii) Seventy-first Report on Bharat Aluminium Co. Ltd. and Minutes of the sittings of the Committee relating thereto.

(iii) Seventy-second Report on Hindustan Petroleum Corporation Ltd. and Minutes of the sittings of

REPORT O* THE COMMITTEE ON THE WELFARE OF SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES

SHRI V. C- KESAVA RAO (Andhra Pradesh): Sir, I beg to lay on the Table a copy (in English and Hindi) of the Thirty-third Report of the Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes, on the Ministry of Home Affairs— Working of Integrated Tribal Development Projects in Madhya Pradesh.

REFERENCE TO THE REPORTED CORNERING OF SHARES BY NON-RESIDENT INDIANS TO TAKE OVER CERTAIN INDIAN COMPANIES

श्री उपसभापति : अब स्पेशल मेंशन।

श्री शिव चन्द्र झा (बिहार) : मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है। पहले से मैं कह रहा हूं। मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है कि कल भी आपने कालिंग अटेंशन नहीं लिया और आज भी नहीं लिया, क्यों नहीं लिया गया? इतने महत्वपूर्ण विषय हैं हम को क्यों वंचित करते हैं? सदन को क्यों वचित करते हैं?

श्री उपसभापति : जिस विषय पर चर्चा कर रहे हैं वह भी बड़ा महत्वपूर्ण है। इस पर भी काफी समय आपको मिल सकता है।

श्री शिव चन्द्र झा : ऐसे डिसकशन पहले भी होते रहे हैं लेकिन कालिंग अटेंशन भी चलते रहे हैं यह परम्परा रही है। एक तो सत्र ही छोटा है दो सप्ताह का है उसमें भी कटौती हो रही है। (**व्यवधान**)

श्री उपसभापति : कल परसों लेबर पर. . . (**व्यवधान**)

श्री शिव चन्द्र झा : देशी और विदेशी मामले हैं। सारे देश में चर्चा है कि पाकिस्तान के प्रेजीडेंट ने स्टेटमेंट दिया कि हिन्दुस्तान का माइनोर्टीज इन्सेक्योर हैं।

श्री उपसभापति : छोड़िये उसको।

श्री शिव चन्द्र झा : यह तो सभी विषय हैं।

श्री उपसभापति : आप भेज दीजिए, उस पर देखा जाएगा।

श्री शिव चन्द्र झा : मैंने दिया हुआ है।

श्री उपसभापति : वह देखेंगे अभी समय है।

श्री शिव चन्द्र झा : ऐसे बहुत से विषय हैं।

श्री उपसभापति : विषय विचाराधीन होगा।

श्री रामेश्वर सिंह (उत्तर प्रदेश) : मेरा पाइंट आफ आर्डर यह है कि कल भी हमने यह सवाल उठाया था कि पंजाब की स्थिति बहुत गम्भीर है।

SHRI SURESH KALMADI (Maharashtra): There is considerable panic in the Indian industry today due to

जी, क्यों समय ले रहे हैं।

श्री रामेश्वर सिंह : यही हमको जानना था कि कल यह जो सवाल उठाया था उस पर आप बहस करा रहे हैं कि नहीं।

the cornering of shares by non-resident Indians abroad who have been given certain facilities. A group of non-residents organised by the famous Swaraj Paul of the IMF fame, is trying to destabilise the Indian industry with the active connivance of the Government. It is not only a question of Escorts or the DCM alone. There are over 300 companies where Government financial institutions have major shares from 25 per cent to 50 per cent, and all these 300 companies are facing destabilisation today. Mr. Swaraj Paul had a Press conference yesterday in London, and he says that he would ensure that the companies were more professionally managed in India.

I am surprised that a person -who-is sitting in London is trying to say that he wants to set right the working of the companies in India. He further states, "I will ensure that the companies are more professionally mang-ed than under the present feudal system." He maintained that no good management would be changed. I am surprised that this Swaraj Paul from London is talking about these things. Who is this Swaraj Paul? What has he got in this country? We know he is very close to the ruling family here. But that does not mean that he should make a statement like this. It does not mean that he controls so much through non-residents. And I would like to say that this person is holding the Indian industry to ransom. We must take concrete measures.

The Indian industry is entitled to an assurance from the Government that we shall not allow any enterprises in India to be an arena of international speculation. Second, the public financial institutions must be given clear guidelines immediately so that they do no* topple efficient companies. I also demand that tax concessions be available to non-resident individuals for new ventures in India and for investment in units declared sick by the Government. I would say.

besides the threat of the IMF which was there, the new threat of the SPF, Swaraj Paul fund, should be met by the people of this country.

REFERENCE TO THE DEMAND FOR SETTING UP OF SODA ASH FACTORY AT PHULPUR, ALLAHABAD

श्री रामपूजन पटेल (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति जी, मैं आपके माध्यम से कृषि मंत्री जी का ध्यान उत्तर प्रदेश के जनपद इलाहाबाद के फूलपुर स्थान पर सोडा ऐश कारखाना लगने के संबंध में आकर्षित करना चाहता हूं। फूलपुर में वर्तमान समय में इफको कारखाना बड़ी मात्रा में उर्वरक का उत्पादन कर रहा है। जहां पर कृषि मंत्री जी ने 30 दिसम्बर, 1981 को माननीय प्रधान मंत्री जी की उपस्थिति में यह घोषणा की थी कि फूलपुर में शीघ्रातिशीघ्र सोडा ऐश कारखाना लगेगा। जिसका स्वागत वहां की जनता ने बड़े ही उल्लास एवं हर्ष-ध्वनि से किया था और क्षेत्र में प्रसन्नता की लहर फैल गई थी। परन्तु अभी तक कोई ऐसा कदम नहीं उठाया गया जिससे जनता में निराशा एवं असंतोष की भावना जागृत हो रही है कि भारत सरकार के कृषि मंत्री द्वारा प्रधान मंत्री जी के समक्ष घोषणा करने के बावजूद भी क्या कारण है कि अभी तक सोडा ऐश कारखाना लगने का कार्य क्यों नहीं प्रारम्भ किया गया। जनता को विश्वास में रखना शासन का पुनीत का कार्य है। आज वहां की जनता क्या सोचे? कि कार्य कब से प्रारम्भ होगा। यह फूलपुर संसदीय क्षेत्र एक बहुत ही पिछड़ा हुआ क्षेत्र है जो बेकारी की स्थिति से बच नहीं सका है। बेकारी एवं बेरोजगारी को दूर करने में सोडा ऐश कारखाने की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। जिससे देश की आवश्यकता की पूर्ति भी होगी।

यह क्षेत्र देश के प्रधान मंत्री पंडित जवाहरलाल जी का क्षेत्र रहा है, जहां पर ऐसा पुनीत कार्य करने की कृषि मंत्री जी ने घोषणा की है। इस संबंध में मैंने 17.3.83 को एक पत्र कृषि मंत्री जी को लिखा था परन्तु आज तक कृत कार्यवाही से मुझे अवगत नहीं कराया गया कि क्या कार्यवाही हो रही है।

आवश्यकता एवं जनहित को ध्यान में रखते हुए कृषि मंत्री जी से मैं आपके माध्यम से निवेदन कर रहा हूं कि अपनी घोषणा के अनुसार कार्यवाही करके फूलपुर में सोडा ऐश कारखाना लगवाने का कष्ट करें जिससे जनता का विश्वास शासन के प्रति बना रहे।

REFERENCE TO THE DEMAND FOR SETTING UP OF A CENTRAL SANSKRIT UNIVERSITY IN ANDHRA PRADESH

श्री बी सत्यनारायण रेड्डी (आंध्र प्रदेश) : महोदय, मैं भारत सरकार और शिक्षा मंत्री का ध्यान इस तरफ दिलाना चाहता हूं कि आन्ध्र प्रदेश में एक संस्कृत विश्वविद्यालय की सख्त जरूरत है। आप सभी जानते हैं कि संस्कृत सभी भाषाओं की मां है—मदर आफ आल लैंग्युएजेज—और न सिर्फ एक प्रांत, बल्कि सारे देश के लिए इस भाषा की सख्त जरूरत है, और न सिर्फ तेलुगु, कन्नड़, मराठी और मलयालम बल्कि हिन्दुस्तान की सभी भाषाएं बोलने वाले हैं, उनके लिए संस्कृत का जानना बहुत ही लाभदायक है।

तो कुछ अरसे से आन्ध्र प्रदेश की जनता की यह मांग रही है कि केन्द्र